

डॉ. इलेन फिलिप्स, पुराने नियम का साहित्य, व्याख्यान 14, बलिदान, सब्त और पर्व

© 2204 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

आज के लिए इतना ही काफी है, है न? चलिए हम सब मिलकर प्रार्थना करते हैं।

हे ईश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, हम आपके द्वारा हमें दिए गए एक और दिन के लिए आभारी हैं। हम बाहर की खूबसूरती के लिए आभारी हैं।

हम पवित्रता की तीक्ष्ण यादों के लिए आभारी हैं, जब हम नई गिरी हुई बर्फ को देखते हैं। और प्रभु, जब हम इसके बारे में सोचते हैं, तो हम इस भजन से संबंध जोड़ते हैं और प्रार्थना करते हैं कि आप वास्तव में हमारे अंदर शुद्ध हृदय उत्पन्न करें। प्रभु, आइए हम इस भजन की सच्चाई को अपने दिलों और दिमागों में गहराई से रोपें।

और हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी आत्मा से हमें खुशी दें, अपने उद्धार का आनंद, ताकि हम वास्तव में एक ऐसे संसार के लिए प्रकाश की किरण बन सकें जो अंधकारमय है, पीड़ा में है और कष्ट में है। इसलिए, हमें आपकी सेवा करने और अपने साथी लोगों की भी सेवा करने के लिए तैयार करें। हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो स्वस्थ नहीं हैं।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप उनके स्वास्थ्य को बहाल करेंगे। हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो यहाँ नहीं हैं। किसी भी कारण से, आप निश्चित रूप से उन्हें यहाँ लाएँगे, हमें एक साथ सीखने में मदद करेंगे, जो न केवल आपको प्रसन्न करेगा बल्कि हमारे जीवन पर भी प्रभाव डालेगा।

मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप आज मुझे स्पष्टता से सिखाने में मदद करें और हमें एक साथ सीखने में मदद करें। और हम आपको सम्मान और महिमा दें। यीशु के नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं।
आमीन।

ठीक है, चलो इस भाग को समाप्त करते हैं। खैर, हम कुछ ऐसी बातें उठाने जा रहे हैं जो हमने पिछली बार के अंत में छोड़ी थीं।

तो, हालाँकि हम तकनीकी रूप से अनुष्ठान टोरा पर दूसरे व्याख्यान के बारे में बात करने जा रहे हैं, मेरा मानना है कि यह 14 है, क्या यह सही है? ठीक है, सब्बाथ त्यौहारों और व्रतों के साथ, हमें पिछली बार के बलिदानों के बारे में बात करने के लिए बस थोड़ा सा काम करना है। तो, बिना किसी और बात के, मैं यंगब्लड में बलिदानों के बारे में जो कुछ भी पढ़ा है, उसका एक संयोजन बताता हूँ और फिर से उसकी समीक्षा करता हूँ क्योंकि यह वास्तव में महत्वपूर्ण सामग्री है और फिर कुछ अतिरिक्त बातें जो मैं इसमें जोड़ने जा रहा हूँ। तो, बलिदान लाने की इस पूरी प्रक्रिया से हमें कुछ सबक मिलते हैं।

इस तथ्य को नज़रअंदाज़ न करें कि भले ही हम अब रक्त बलिदान नहीं चढ़ाते हैं, लेकिन यीशु ने हमारे लिए जो किया है उसके लिए प्रभु का धन्यवाद करें। उससे अभी भी बहुत कुछ सीखा जाना बाकी है। इसलिए, हर व्यक्ति जो बलिदान चढ़ा रहा था, उसे सबसे पहले उसे वास्तव में चढ़ाना था। अब, मैं आपको यह बताता हूँ कि ज़्यादातर बलिदान वास्तव में जानवरों के रक्त के बलिदान थे, लेकिन कुछ ऐसे भी थे जो नहीं थे।

संगति और अन्नबलि, क्षमा करें, संगति नहीं, अन्नबलि स्पष्ट रूप से अन्नबलि थी, लेकिन कुल मिलाकर, हम बलि के जानवरों के बारे में बात कर रहे हैं, और निश्चित रूप से, यह एक विशेष जानवर होना था। इस व्यक्ति को कुछ खर्च करना था, और इसलिए, आप जानते हैं, हमने इसे बाकी शास्त्रों में भी फैलाया है, और हम इसे विशेष रूप से दाऊद के साथ देखते हैं जब वह पहले शमूएल के अंत में बलिदान चढ़ाने जा रहा है, और जब हम दाऊद के बारे में बात करेंगे तो हम उस तक पहुँचेंगे। वह कहता है कि मैं इसके लिए भुगतान करने जा रहा हूँ।

इसके लिए मुझे कुछ कीमत चुकानी होगी। क्या मैं प्रभु को कुछ ऐसा देने जा रहा हूँ जिसके लिए मुझे कुछ भी कीमत नहीं चुकानी पड़ी है? और इसलिए, बलिदान लाने का पूरा विचार यह था कि यह बलिदान था, बस लागत के संदर्भ में। ओह, चलो इसे एक बार में करते हैं।

जब, हाँ, मुझे खेद है, सुज़ाना। मैं बस यही सोच रहा था। मैं सोच रहा था क्योंकि, जैसे, सभी छोटे चिकित्सा कानून और सब कुछ पढ़ने से, मुझे ऐसा लगता है कि यह सिर्फ जानवरों को दाएं और बाएं मार रहा है, क्योंकि हर कोई, यह ऐसा है जैसे हर दिन हर कोई पाप करता है, और सभी छोटी-छोटी शर्तों की तरह।

मैं बस सोच रहा था, वे क्या वहन कर सकते थे? जैसे, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा होना चाहिए जिसकी उन्हें कीमत चुकानी पड़े, इसलिए। अच्छा, कानून पढ़ना, अच्छा, अच्छा सवाल। दूसरे शब्दों में, जब आप इन सभी कानूनों और उन प्रकार के अपराधों को पढ़ते हैं जो आपने किए, पाप बलिदान, अपराध बलिदान, होमबलि, क्या यह निरंतर बलिदानों की एक भारी मात्रा और अत्यधिक महंगा नहीं होगा? एक चीज जो हम देखते हैं वह यह है कि आप सही हैं, लेकिन हम उन लोगों के लिए भगवान के प्रावधान को भी देखते हैं जो गरीबी में हैं। वे क्या ला सकते थे? पक्षी।

ठीक है, तो इस पूरे घटनाक्रम में हमेशा भेड़ या बकरे ही बलि का जानवर नहीं होते थे, और जो लोग पाप की बलि चढ़ाना चाहते थे, वे कबूतर ला सकते थे। और इसलिए, यह काफी दिलचस्प था, यह एक नया नियम का मुद्दा है, लेकिन मैं आपको फिर भी बता दूँगा। पहली सदी में, दोनों ही तरह के सबूत मिले हैं, दोनों ही तरह के पुरातात्विक सामान से, जो उन्हें कबूतर के कोट के साथ मिले थे, जहाँ उन्होंने बलि के लिए कबूतरों को पाला था।

हमारे पास रब्बीनिक सामग्रियों से साहित्यिक साक्ष्य भी हैं। इसलिए, हम जानते हैं कि वे यहूदा के पहाड़ी इलाके में सचमुच हज़ारों कबूतर पालने के व्यवसाय में थे। तो अगर आप चाहें तो यह हमेशा एक रास्ता था, इसलिए यह इतना महंगा नहीं था।

ध्यान रखें कि हम एक ऐसी आबादी के बारे में बात कर रहे हैं जो चरवाहे हैं, और इसलिए, वे हमेशा बहुत सारे झुंड पालते हैं। केलिन, एक व्यक्ति एक साल में कितने बलिदान देगा? मुझे ईमानदारी से इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन अगर आप सबसे पहले देखें, और हम इस बारे में थोड़ी देर में बात करने जा रहे हैं, त्यौहार थे, और त्यौहारों के लिए, उन्हें स्पष्ट रूप से तीन तीर्थयात्रियों के त्यौहारों के लिए अपने बलि के जानवर लाने थे, और हम इसके बारे में लगभग 20 मिनट में बात करने जा रहे हैं। वे कितनी बार पाप बलि और उस तरह की प्रक्रियाएँ, अपराध बलि चढ़ाते हैं, अगर उन्होंने कुछ ऐसा किया है जो पवित्रता और पवित्रता के इन मुद्दों में से एक को तोड़ रहा है, तो मुझे नहीं पता।

मुझे नहीं पता। हममें से कुछ लोग दूसरों की तुलना में बहुत ज़्यादा काम कर रहे होंगे। ट्रेवर? मैं भी लगभग यही सवाल पूछ रहा हूँ, लेकिन क्या आपको लगता है कि यह संभव है कि उन्हें हर दिन, जैसे कि बहुत ज़्यादा समय, पाप बलि या अपराध बलि चढ़ाने के लिए निकालना पड़ता होगा? क्या यह सोचना उचित होगा कि वे हर दिन पाप या अपराध बलि चढ़ाते होंगे? यह पूछना मुश्किल सवाल है।

एक बात जो हम जानते हैं वह यह है कि उन्हें इसे अभयारण्य में लाना था, और इसलिए जाहिर है, एक बार जब वे भूमि में आ गए, और अभयारण्य एक जगह है, और वे पूरे देश में फैले हुए हैं, तो जाहिर है कि ऐसा नहीं होने वाला है, इसलिए उस संदर्भ में भी चीजें थोड़ी बदल जाएंगी। इसमें बहुत सी अज्ञात बातें हैं, और मैं कह रहा हूँ, मुझे नहीं पता क्योंकि मुझे नहीं पता। हाँ, जिंजर।

नहीं, जिंजर नहीं, मैककेना। वे किस उम्र में शुरू करते हैं? संभवतः एक बार जब उन्हें वयस्क माना जाता है, और यह वास्तव में एक दिलचस्प मुद्दा उठाता है कि यह कब होगा, क्या यह उस बार मिट्ज्वा के बराबर होगा जिसे हम वयस्क होने पर मानते हैं, या क्या यह तब होगा जब वे जनगणना करना शुरू करेंगे, जो मुझे लगता है कि 20 वर्ष की आयु है, हालांकि मैं इसके बारे में पूरी तरह से निश्चित नहीं हूँ। टेड, क्या मैं सही हूँ? मुझे लगता है कि यह 20 वर्ष की आयु है।

हाँ। ठीक है। और प्रश्न? अच्छे प्रश्न।

उन्हें आते रहें। इस पूरी प्रक्रिया में दूसरा चरण अपने प्रतीकात्मकता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण था, और वह यह है कि एक बार जब उपासक जो बलि लेकर आया है, उसे वहाँ लाया जाता है, तो उपासक के हाथ बलि के पशु के सिर पर रखे जाते हैं, और फिर से, मैंने आपके लिए यहाँ प्रतीकात्मकता को नोट किया है। केवल इतना ही नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि यह यंगब्लड का मुद्दा है: क्या पाप का यह प्रतीकात्मक हस्तांतरण हो रहा है?

दूसरे शब्दों में, मेरे पापों को उस जानवर के सिर पर डाल दिया गया है, लेकिन साथ ही, यह जानवर के साथ एक पहचान है, और यह इस तथ्य के संदर्भ में वास्तव में महत्वपूर्ण होने जा रहा है कि हमने पिछली बार कहा था कि खून बहाने का मतलब है कि मेरे जीवन की जगह खून लेना, जो वास्तव में उस जानवर के खून को खोना है। तो, ये दोनों चीजें इसका हिस्सा हैं। तीसरी बात जो लोग अक्सर भूल जाते हैं, वह यह है कि पुजारी ही वे लोग हैं जो यह सब खून-खराबा करते हैं, लेकिन बलि लाने वाला व्यक्ति वास्तव में वह व्यक्ति था जिसने जानवर को मारा था, और फिर से,

जैसा कि मैंने पिछली बार कहने की कोशिश की थी, यह हमें पाप की भयावहता और पाप के कारण हुई गंदगी और मेरे पाप के कारण हुई गंदगी की याद दिलाता है, अब मैं वास्तव में इस जानवर के खून को बहाने के इस प्रतीकात्मक तरीके से इसे फिर से दोहरा रहा हूँ।

तो, जब हम इस पूरी प्रक्रिया के बारे में सोचते हैं तो कुछ दिलचस्प बातें, अविश्वसनीय प्रतीकवाद और सबक सामने आते हैं। फिर, याद रखें कि पुजारी मध्यस्थ है, और इसलिए एक बार जब खून बहा दिया जाता है, तो यह पुजारी ही होता है जो उस खून को लेता है और छिड़कता है। ठीक है, आपको आशीर्वाद।

वह वही है जो इसे वेदी पर छिड़कने जा रहा है, इसलिए यह इस तथ्य का स्पष्ट रूप से प्रतिनिधि है कि मेरे और भगवान की पवित्रता के बीच उनके अभयारण्य में, एक व्यक्ति है जो व्यक्तिगत रूप से ध्यान कर रहा है, और फिर, यह उस भूमिका की एक तस्वीर है जिसे यीशु पूरा करता है। बलिदान को पूरी तरह से या आंशिक रूप से जलाया जाना बलिदान के प्रकार पर निर्भर करता है, और उन बलिदानों की एक पूरी सूची है। मैं बस एक मिनट में उन्हें बहुत तेजी से बताने जा रहा हूँ, लेकिन फिर से, जलाना केवल पवित्रता की पूरी प्रक्रिया को इंगित करने के लिए महत्वपूर्ण है, और फिर, निश्चित रूप से, आप जानते हैं कि आग का उपयोग शोधन के लिए किया जाता है, इसका उपयोग कीमती धातुओं को भी परिष्कृत करने के लिए किया जाता है, और इसलिए इसमें भी वह संपूर्ण प्रतीकात्मक इरादा घटना है।

यह बलिदान किस प्रकार का था, इस पर निर्भर करते हुए, आप इसका कुछ भाग खा सकते हैं, आप इसका पूरा भाग खा सकते हैं, संभवतः पूरे होमबलि के मामले में, इसका पूरा भाग दिया गया था, और वह पूरा होमबलि नियमित आधार पर, प्रतिदिन पापों का प्रायश्चित्त करने के लिए था। हम इसके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताएंगे। इस संगति भेंट के संदर्भ में, इसे अपने मन में एक संकेत के रूप में रखें, यदि आप इसे इस तरह से रखना चाहते हैं, कि जब हम संगति करते हैं, जब हम एक साथ भोजन करते हैं, और संगति में खाते हैं, और अब जब हमारे और परमेश्वर के बीच यह मेलमिलाप हो गया है, तो संगति भेंट उस तरह की चीज़ का प्रतीक बनने जा रही है।

तो, यहाँ प्रक्रिया के बुनियादी घटक, अब आइए मुख्य बलिदानों पर वास्तव में जल्दी से नज़र डालें, और मैं इसे जल्दी से करूँगा क्योंकि मुझे पता है कि यंगब्लड ऐसा करता है; आप वापस जा सकते हैं और इस सामग्री की समीक्षा कर सकते हैं, और यह वास्तव में लैव्यव्यवस्था अध्याय एक से सात है, है ना? पूरे होमबलि में, लैव्यव्यवस्था अध्याय एक, श्लोक चार, उद्देश्य बताया गया है: दैनिक आधार पर पाप के लिए प्रायश्चित्त करना। पापबलि और अपराधबलि, हम कुछ तरीकों से एक साथ सोच सकते हैं क्योंकि वे अक्सर एक साथ चढ़ाए जाते हैं, और इसलिए जब हम अपना पापबलि रखते हैं, तो यह उस समय को कवर करने के लिए होता है जब कोई व्यक्ति पाप करता है, ठीक है, और अनजाने में पाप करता है, और कुछ प्रतिमान उदाहरण हैं जो आपको लैव्यव्यवस्था को पढ़ते समय दिए गए हैं। अपराध या अपराधबलि एक दिलचस्प है, और वास्तव में दो उद्देश्य हैं जो यहाँ स्पष्ट रूप से बताए गए हैं, खासकर अध्याय पाँच में। मुझे लगता है कि यह लैव्यव्यवस्था में है, जहाँ अनजाने में किए गए पापों के लिए प्रायश्चित्त करने के लिए कहा गया

है, न कि केवल सामान्य अनजाने पापों के लिए, बल्कि पवित्र चीजों के संबंध में अनजाने में किए गए पापों के लिए।

मान लीजिए, उदाहरण के लिए, एक बलि पशु है जिसे प्रभु को समर्पित किया गया है, और किसी तरह मैं उस पशु के संबंध में कुछ ऐसा करता हूँ जो उसे अशुद्ध बनाता है या जो भी हो, आप जानते हैं, यह एक अनजाने में किया गया पाप होगा यदि मैंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया होता, लेकिन मैंने एक ऐसे पशु को प्रभावित करने के लिए कुछ किया है जिसे बलिदान की पूरी प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। दिलचस्प बात यह है कि जैसा कि आपने भी पढ़ा है, और मैं आपके साथ इस पर एक त्वरित नज़र डालना चाहता हूँ, लैव्यव्यवस्था अध्याय पाँच पर जाएँ क्योंकि अक्सर यह कथन दिया जाता है कि जानबूझकर किए गए पापों के लिए कोई वास्तविक भेंट नहीं है, लेकिन लैव्यव्यवस्था पाँच के अंत में दोषबलि के बारे में बात की गई है। श्लोक 15, जब कोई व्यक्ति उल्लंघन करता है और अनजाने में प्रभु की किसी भी पवित्र चीज़ के संबंध में पाप करता है, है ना? अब, श्लोक 17 में, यदि कोई व्यक्ति पाप करता है और प्रभु की आज्ञाओं में से किसी भी कार्य को करने से मना करता है, भले ही वह यह नहीं जानता हो, तो अध्याय छह के आरंभ में दिए गए उदाहरणों को देखें।

इसलिए मुझे लगता है कि हमारे जानबूझकर किए गए पापों के लिए भी यहाँ कुछ न कुछ कवर है, और मुझे यह जानकर खुशी हुई। क्या आपको नहीं लगता? हम हर समय जानबूझकर ऐसी चीज़ें करने के व्यवसाय में लगे रहते हैं जिनके बारे में हमें पता होता है कि वे गलत हैं। कम से कम मुझे तो पता है। अगर आपको नहीं पता, तो मैं आपको जानना चाहता हूँ।

मैं आपसे सीखना चाहूँगा। ठीक है, लेकिन देखिए यहाँ क्या हो रहा है। हम अभी भी अपराध-बलि के बारे में बात कर रहे हैं।

पद दो, यदि कोई पाप करता है तो वह प्रभु के प्रति विश्वासघाती है, आप इसके लिए तैयार हैं, अपने पड़ोसी को धोखा देना, उसे धोखा देना, ऐसा लगता है कि यह मेरे लिए जानबूझकर किया गया है, खोई हुई संपत्ति को ढूँढना और उसके बारे में झूठ बोलना, झूठी कसम खाना, आप जानते हैं, ये सभी चीज़ें जानबूझकर की गई हैं, और फिर निश्चित रूप से एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं और आपका विवेक आपको दोषी ठहराता है, तो आपको पलटना होगा, और यही अपराध-बलि के लिए है। और इसलिए, प्रभु की स्तुति करें, उस संदर्भ में भी, वहाँ भी प्रायश्चित के विकल्प हैं। अनाज की भेंट भी है, और मैं इन अंतिम लोगों को जल्दी से करूँगा।

बेशक अन्नबलि में किसी भी तरह का रक्त बलिदान शामिल नहीं होता। यह बहुत से अन्य बलिदानों के साथ होता है। और फिर शांति या संगति की भेंट, और यह निश्चित रूप से वह है जहाँ परमेश्वर के प्रति पूर्ण कृतज्ञता में, लोग एक साथ आते हैं और समुदाय में भेंट का हिस्सा खाते हैं, समुदाय के भीतर और साथ ही परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप का जश्न मनाते हैं।

फिर अतिरिक्त अर्पण, धन्यवाद अर्पण और प्रतिज्ञा से संबंधित अर्पण हैं। हम थोड़ी देर में प्रतिज्ञाओं पर वापस आएँगे। मुझे ज़्यादा चिंता इस बात की है कि आप पहले तीन को जानते हैं।

ठीक है, पहले तीन शायद सबसे महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हम अपने कुछ ऐतिहासिक आख्यानों के सामने आने पर उनके उदाहरण देखेंगे। तो यह महत्वपूर्ण होगा। अब, मैं सब्बाथ में जाने के लिए तैयार हूँ।

इस विषय पर कोई प्रश्न? ट्रेवर? क्या हमें विभिन्न प्रकार के समान बलिदानों के बारे में पता होना चाहिए? जैसे कि वास्तव में क्या? दूसरे शब्दों में, आपको यह जानने की आवश्यकता नहीं है कि कौन से जानवर किस काम के लिए हैं और इसी तरह की अन्य बातें। इसके बारे में चिंता न करें। मैं मुख्य रूप से इन बड़ी श्रेणियों और उनके लिए डिज़ाइन किए गए चीज़ों के बारे में चिंतित हूँ क्योंकि, जैसा कि मैंने कहा, जब हम न्यायियों की पुस्तक में जाते हैं, तो हम अपराध बलिदान और शमूल के संबंध में कुछ दिलचस्प बातें देखने जा रहे हैं।

ठीक है, अच्छा सवाल है। और कुछ? हाँ, सारा? हाँ, ठीक है, याद रखें, जो लोग बलि चढ़ा रहे हैं, वही गंदा काम कर रहे हैं। कुछ कटोरे हैं जिनमें खून डाला जाता है, ठीक है? और पुजारी हैं, यह केवल उच्च पुजारी ही नहीं है जो यह सब कर रहा है।

आप जानते हैं, आपके पास हारून का एक पूरा परिवार है जो पुजारी के रूप में सेवा कर रहा है, और वे सभी एपोद और छाती का टुकड़ा और पगड़ी नहीं पहनते हैं। उनके पास उस तरह के कपड़े नहीं हैं। पुजारी बस कुछ सरल कपड़े पहने हुए थे।

तो, यह सब कुछ नहीं है जो उच्च पुरोहिती पोशाक को प्रदूषित कर रहा है। हाँ, यह एक अच्छा सवाल है। खैर, चलो सब्त के दिन को जारी रखते हैं।

यह एक दिलचस्प मुद्दा है, और यह एक ऐसा मुद्दा है जो गॉर्डन कॉलेज के छात्रों के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि मैं शर्त लगाने को तैयार हूँ कि रविवार की दोपहर हममें से बहुतों के लिए लाइब्रेरी में घबराहट का समय होता है क्योंकि हम सोमवार के लिए तैयार होते हैं। मैं आपको इस बारे में थोड़ा अलग तरीके से सोचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ। मैं इसके बारे में कठोर नहीं होना चाहता, बस प्रोत्साहित करना चाहता हूँ।

किसी भी मामले में, सिद्धांत के संदर्भ में, विचार यह है कि आप हर सातवें पीरियड में आराम करें, और निश्चित रूप से, आप जानते हैं कि हमारे पास ऐसे संकाय सदस्य हैं जो वास्तव में इस सत्र में अवकाश पर हैं। इसका मतलब है कि वे आराम कर रहे हैं। डॉ. हिल्डेब्रांड इस सत्र में अवकाश पर हैं, इसलिए वे अपने स्टूल पर आराम कर रहे हैं, है न? हाँ, ठीक है।

नहीं, वह बस अपने अंगूठे हिला रहा है। वैसे भी, यही पूरा सिद्धांत है। आप आराम करें।

अब, वास्तव में, गॉर्डन थोड़ा अजीब है क्योंकि हम हर पाँचवें साल ऐसा करते हैं, लेकिन आम तौर पर, बाइबिल के अनुसार, यह हर सातवें पीरियड में होता है। साथ ही, ध्यान दें, जैसा कि आप सब्बाथिक पर इस सामान को पढ़ते हैं, यह न केवल मनुष्यों को प्रभावित करता है, सब्बाथिक, सब्बाथ पर, यह न केवल मनुष्यों को प्रभावित करता है, यह भूमि को भी प्रभावित करता है, और मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताऊंगा। यह वास्तव में, वास्तव में महत्वपूर्ण है।

अंत में, यह परमेश्वर के लोगों को अलग करता है। जैसा कि मैंने पहले कहा था, जब हमने निर्गमन 16 के बारे में बात की थी, जब वे मिस्र से बाहर आए और मन्ना का अनुभव किया, तो परमेश्वर ने उन्हें सब्त का दिन दिया। यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था, मिस्र में भी नहीं। और इसलिए, यह परमेश्वर के लोगों को अलग करता है।

वास्तव में, पूरे इतिहास में, यहूदियों को व्यापक संस्कृति द्वारा उन लोगों के रूप में जाना जाता था जो सप्ताह के एक दिन काम नहीं करते थे। अब, कभी-कभी, व्यापक संस्कृति ने इसका फायदा उठाया और वास्तव में यहूदियों पर हमला किया, जिसे वे अपना सब्बाथ मानते थे। इसलिए, वास्तव में एक नियम था कि यदि आपको सब्बाथ पर लड़ना पड़े तो आप लड़ सकते हैं, क्योंकि कुछ बिंदुओं पर यहूदियों के दुश्मनों की ओर से कुछ वास्तव में दुर्भावनापूर्ण इरादे थे।

किसी भी मामले में, परमेश्वर के लोगों को अलग करना मुद्दों में से एक था। हम यहाँ सब्बाथ पालन की इस श्रेणी के साथ थोड़ा समय बिताने जा रहे हैं, और मैं पढ़ना चाहता हूँ, विशेष रूप से हर सातवें वर्ष और जयंती के संबंध में। हम पहले ही सातवें दिन से संबंधित सामग्री पढ़ चुके हैं, क्योंकि हमने दस आज्ञाओं के दो संस्करण पढ़े हैं, है न? निर्गमन 20 में, जब यह कहा जाता है, सब्बाथ को पवित्र रखने के लिए याद रखें, तो आपको और आपकी दासी, आपके पशुओं को आराम करना चाहिए।

क्यों? निर्गमन 20 कहता है, क्योंकि छह दिनों में परमेश्वर ने पृथ्वी का निर्माण किया, और सातवें दिन उसने विश्राम किया। और इसलिए यह सृष्टि पर आधारित है। शुरू से ही, परमेश्वर ने अपनी सृष्टि के लिए इसे अपने डिजाइन में शामिल किया है।

वह सृष्टि के इन शानदार कार्यों के बाद ऐसा करता है, फिर वह ईश्वरीय रूप से पोषण करता है, और इसमें एक अंतर शामिल है। हम इसे समझना भी शुरू नहीं कर सकते, लेकिन पाठ से पता चलता है कि इसमें एक अंतर शामिल है। दूसरे, व्यवस्थाविवरण अध्याय 5 में, हमें सब्त का पालन करना चाहिए।

क्यों? क्योंकि परमेश्वर ने अपनी भुजा बढ़ाकर तुम्हें मिस्र की गुलामी से बाहर निकाला और तुम्हें छुड़ाया। और इसलिए उस संदर्भ में सब्त का पालन इसलिए कहा जाता है क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हें छुड़ाया है। तो, दोनों ही सृष्टि और छुटकारे पर आधारित हैं, जो दोनों ही पारलौकिक सिद्धांत हैं, और यही वह बात है जिसे हम ध्यान में रखना चाहते हैं।

अब, दिलचस्प बात यह है कि अगर आप निर्गमन अध्याय 31 को सिनाई वाचा के संदर्भ में देखें, जिसके बारे में हम अभी बात कर रहे हैं, तो यह कहता है, अध्याय 31, श्लोक 12, तुम्हें मेरा सब्त मनाना चाहिए। क्षमा करें, श्लोक 13, यह मेरे और तुम्हारे बीच एक संकेत होगा। श्लोक 14, जो कोई भी सब्त को अपवित्र करता है उसे मौत की सज़ा दी जानी चाहिए।

जो कोई भी उस दिन कोई काम करेगा, उसे अपने लोगों से अलग कर दिया जाना चाहिए। आयत 15 के अंत में पाठ इसे दोहराता है: जो कोई भी सब्त के दिन कोई काम करेगा, उसे अवश्य ही मृत्यु दंड दिया जाना चाहिए। यह एक संकेत है।

यह एक स्थायी वाचा है। तो, इसे अपने दिमाग में बिठा लें, क्योंकि हम इस बारे में बात करने जा रहे हैं कि यीशु के दिनों में लोग सब्त के दिन को मनाने के बारे में इतने चिंतित क्यों थे। यह एक कारण है, क्योंकि वे जानते थे कि टोरा के अनुसार, जैसा कि सिनाई में स्पष्ट किया गया था, सब्त के दिन को मनाने के बारे में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण था।

मैं इसके बारे में कुछ और बात करूँगा। हमें सातवें वर्ष की प्रक्रियाओं पर भी चर्चा करनी है, लेकिन मैं निर्गमन 23 पर आगे बढ़ना चाहता हूँ।

मैं यहाँ सातवें वर्ष की प्रक्रियाओं के साथ तीन अंश पढ़ने जा रहा हूँ, ताकि उन्हें आपके दिमाग में बिठाया जा सके। सबसे पहले, निर्गमन 23, बस श्लोक 10 और 11। छह साल तक, आपको अपने खेतों में बीज बोना है और फसल काटनी है।

सातवें साल में ज़मीन को बिना जोते और इस्तेमाल किए छोड़ दो। फिर तुम्हारे लोगों में से गरीब लोग उससे खाना पा सकते हैं। यह बहुत ज़रूरी है।

हम यहाँ बैठकर सातवें साल में हर संभव फसल नहीं काट रहे हैं, लेकिन यह अपने आप बढ़ रही है, और गरीबों को इससे भोजन प्राप्त करने की अनुमति है। लैव्यव्यवस्था 25, पहले सात छंदों की ओर मुड़ते हुए। मैं छंद दो से शुरू कर रहा हूँ।

जब तुम उस देश में प्रवेश करोगे जो मैं तुम्हें देने जा रहा हूँ, तो उस देश को स्वयं प्रभु के लिए सब्त का पालन करना होगा। फिर, इसमें छह वर्षों में बुवाई की बात कही गई है। सातवें वर्ष में, भूमि को विश्राम का सब्त मनाना है।

अपने खेतों में बीज मत बोओ, अपने अंगूर के बागों की छंटाई मत करो, फसल मत काटो। भूमि को आराम करना है। क्या आपको ऐसा लग रहा है कि परमेश्वर भूमि के लिए चिंतित है? वह उस अंश में तीन बार ऐसा कहता है।

भूमि को विश्राम मिलना चाहिए। कुछ ऐसा जिससे हम शायद सीख सकें। तो, आपके पास न केवल वह है, फिर यदि आप बहुत जल्दी से आगे बढ़ते हैं, या कम से कम इसे लिख लें और थोड़ी देर बाद इसे देखें।

व्यवस्थाविवरण 15. मैंने जिन पहले दो अंशों पर ज़ोर दिया है, वे पर्यावरण से संबंधित हैं, अगर आप उन्हें इस तरह से रखना चाहते हैं। भूमि को आराम मिलना चाहिए, ज़ोरदार।

अब, व्यवस्थाविवरण 15. हर सात साल के अंत में, आपको ऋण माफ करना होगा। और फिर यह बताता है कि यह कैसे किया जाना चाहिए।

कर्ज माफ करना: अगर आपके बीच कोई गरीब आदमी है, तो अपने गरीब भाई के प्रति कठोर या कंजूस न बनें। उदार रहें और उसे जो भी ज़रूरत हो, उसे उधार दें। सावधान रहें कि आपके मन में यह दुष्ट विचार न आए, उद्धरण, सातवां वर्ष, कर्ज माफ करने का वर्ष निकट है।

इसलिए, मैं अब इस बारे में कुछ नहीं करने जा रहा हूँ। नहीं, परमेश्वर कहता है, अपने भाई के लिए चिंता करो, तुम उन ऋणों को माफ कर दो - इसी तरह, श्लोक 12।

अगर कोई हिब्रू व्यक्ति आपको बेचा जाता है और वह छह साल तक आपकी सेवा करता है, तो सातवें साल आपको उसे मुक्त कर देना चाहिए। तो, इसका क्या मतलब है? मुझे लगता है कि मैंने पहले ही यह बता दिया होगा। आपके पास कोई सामाजिक रूप से स्थायी रूप से निम्न वर्ग नहीं है।

यह वाक्यविन्यास की दृष्टि से बहुत बुरा था, लेकिन मुद्दा यह है। आपके पास कोई स्थायी निम्न वर्ग नहीं है। इसलिए, यहाँ कुछ समाजशास्त्रीय निहितार्थ हैं जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं।

क्योंकि आप ऋण माफ करते हैं, इसलिए वे हमेशा के लिए इस ऋण के बोझ से दबे नहीं रहते, और आप गुलामों को मुक्त कर देते हैं। और जब आप गुलामों को मुक्त करते हैं, तो आपको उनके लिए प्रावधान करना चाहिए ताकि वे फिर से सब कुछ शुरू कर सकें। इसलिए अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय निहितार्थ यहाँ सामाजिक टोरा में शामिल हैं, साथ ही समाज की संरचना के लिए सामाजिक निहितार्थ भी।

अब, आपको यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या इस्राएली ऐसा करते हैं? इसका जवाब है नहीं। हम वास्तव में यह जानते हैं क्योंकि हम 2 इतिहास अध्याय 36 पढ़ते हैं, जो पूरे ऐतिहासिक विस्तार का अंत है। और लोगों को सदियों के पाप के बाद निर्वासन में भेज दिया गया है।

और यह कहता है, और भूमि को अंततः विश्राम मिल गया। यह दर्शाता है कि, आप जानते हैं, अब वे वहाँ नहीं हैं, और वे ऐसा नहीं कर रहे थे। अब, भूमि को विश्राम मिलने वाला है।

खैर, अंत में, हमारे पास जुबली भी है। यह लेवितिकस के अध्याय 25 का बाकी हिस्सा है। मैंने आपको सातवें वर्ष की प्रक्रियाओं के संबंध में पहले सात छंदों का संदर्भ दिया था।

जुबली में, हमने अध्याय के बाकी हिस्से में उन चीजों का वर्णन किया है जिन्हें मैंने यहाँ छोटे-छोटे बुलेट पॉइंट्स में संक्षेप में प्रस्तुत किया है। पारिवारिक संपत्ति पर वापस लौटें। तो, आपके पास बड़ी संपत्ति का एकाधिकार नहीं है।

इसके बजाय, आप कबीले और परिवार की संपत्ति में वापस चले गए। फिर से ज़मीन के लिए आराम करो, और गुलामों को आज़ाद कर दिया गया। और पाठ आगे कहता है, याद रखो कि तुम मिस्र में गुलामी में थे।

इसीलिए तुम्हें गुलामों को आज़ाद करना है। इस अध्याय में एक और बात लगातार कही गई है। और वह यह है कि यह ज़मीन भगवान की है।

भूमि प्रभु की है। भूमि प्रभु की है। अध्याय में तीन बार इस बात पर जोर दिया गया है।

और इसीलिए उन्हें इस तरह से व्यवहार करना चाहिए। ज़मीन हमेशा के लिए उनकी नहीं है। इसके बजाय, यह उन पारिवारिक ढाँचों को वापस मिल जाती है जिन्हें परमेश्वर ने ज़मीन पर आने के साथ ही शुरू से ही आवंटित किया है।

तो, जुबली वाकई बहुत महत्वपूर्ण है। आप में से जो लोग जानते हैं कि लिबर्टी बेल पर क्या लिखा है, क्या आप जानते हैं कि लिबर्टी बेल पर क्या लिखा है? क्या कोई जानता है? छठी कक्षा में, क्या आपने सीखा कि लिबर्टी बेल पर क्या लिखा है? यह भयानक है। यह बिल्कुल भयानक है।

पूरे देश में स्वतंत्रता की घोषणा करो, है न? यही बात इसमें लिखी है। यह लैव्यव्यवस्था 25, आयत 10 से लिया गया है। पूरे देश में स्वतंत्रता की घोषणा करो।

अब, वैसे, जुबली नाम कहां से आया है? क्या आपने कभी यह सुना है? हम इसे जुबली क्यों कह रहे हैं? सब लोग, अगर आप सामाजिक न्याय के मुद्दों के संदर्भ में वर्तमान उचित कामों में रुचि रखते हैं, तो आप जुबली शब्द का बहुत इस्तेमाल कर रहे हैं। यह बहुत ही कम संदेह के साथ कहा गया था। मुझे माफ़ करें।

वैसे भी, हम जुबली शब्द का इस्तेमाल कुछ खास लोगों में खूब करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि यह कहां से आया है। यह वास्तव में एक हिब्रू शब्द है, योवेल। और जब हम जर्मन भाषा से होते हुए हमारे पास आते हैं तो J और Y थोड़े बहुत अदला-बदली वाले होते हैं।

और इसलिए, योवेल वह तुरही थी जिसे वे जुबली वर्ष की शुरुआत में बजाते थे। यहीं से जुबली शब्द आया है। और अब, बेशक, हम इसका इस्तेमाल बिना यह जाने भी करते हैं कि यह किस बारे में है।

किसी भी हालत में, यहाँ बात समझिए। यह भूमि पर ईश्वर के स्वामित्व और मिस्र से मुक्ति के प्रतिमान की याद दिलाता है। हाँ, बेक्का।

मैं यहाँ इस जयंती को देख रहा हूँ। क्या यह जयंती की तरह ही है जब आरोही उन्हें यहाँ भेजते हैं? वास्तव में, यह एक दिलचस्प सवाल है। हर सातवें वर्ष के बीच क्या अंतर है, जिसका मतलब है कि तब आप 49 तक पहुँचेंगे, और फिर जयंती उसके बाद का वर्ष होगा?

वैसे, हर कोई इस बात से सहमत नहीं है। कुछ लोग यह कहने की कोशिश करते हैं कि जुबली वर्ष 49वें और सातवें वर्ष का एक ओवरलैप होगा। लेकिन ज़्यादातर लोग, जैसा कि वे इसकी व्याख्या करते हैं, कहते हैं कि आपके पास सात वर्षों की यह श्रृंखला है।

और जब आप सात गुणा सात तक पहुँचते हैं, तो उसके ऊपर जुबली जुड़ जाती है, जिसका वास्तव में मतलब है कि जब आप रुककर इसके बारे में सोचते हैं, तो इन लोगों को लगातार दो वर्षों तक ईश्वर पर भरोसा करना पड़ता था कि वे उन्हें प्रदान करेंगे, जिसमें वे जानबूझकर फसलों और अन्य चीजों से निपटने वाले नहीं थे। तो, यह दिलचस्प है। हाँ, केलिन।

वे अपनी संपत्ति को कैसे छोड़ देते हैं? जैसे, अगर उन्होंने संपत्ति खरीदी, तो क्या वे अपनी संपत्ति को अपने निजी व्यक्ति से लेने के लिए छोड़ देंगे? खैर, सवाल यह है कि, हाँ, यह इस सभी संपत्ति विनिमय के साथ कैसे काम करता है? आइए मुख्य रूप से परिवारों, कुलों और जनजातियों से संबंधित संपत्ति के बारे में सोचने की कोशिश करें। और जब हम भूमि में प्रवेश करेंगे तो हम आदिवासी आवंटन देखेंगे, ठीक है? इसलिए, इसे इस बड़े पारिवारिक विरासत ढांचे के भीतर रहना चाहिए। जब उन्हें संपत्ति बेचनी चाहिए थी, तो एकमात्र तरीका यह था कि वे कर्ज में डूब जाएं और उन्हें उस तरह का काम करना पड़े।

फिर भी, उस संपत्ति को छुड़ाने की एक प्रक्रिया थी। इसलिए, ऐसा नहीं है कि यह हर जगह होना जा रहा है, जैसे कि मेसोपोटामिया का कोई मालिक अचानक हेब्रोन के आसपास कहीं भूमि अनुदान हड़प ले। यह उस तरह से काम नहीं करता है।

यह सिर्फ यह सुनिश्चित करने का मामला है कि पारिवारिक संरचना के पास वास्तव में संपत्ति बनी रहे। इसलिए, अगर किसी कारण से अंतराल में इसे उनके स्वामित्व से बाहर होना पड़ा तो यह उनके पास वापस चला जाएगा। क्या उस परिवार के भीतर व्यक्तियों के पास अपनी ज़मीन का एक टुकड़ा था? मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं है कि यह सच होगा।

हमारे पास वास्तव में कुछ नहीं है, मेरा मतलब है, यह एक बढ़िया सवाल है। हमें वास्तव में इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं है कि इन पारिवारिक टुकड़ों को कैसे प्लॉट किया गया था। मुझे लगता है कि उन्हें संभवतः बड़े लालच में रखा गया था, जो कि कबीले की संरचना है।

यह मेरा अनुमान है। लेकिन यही वह उदाहरण है जो हमें सबसे ज़्यादा मदद कर सकता है, वह है रूथ। जब हम रूथ की किताब में आते हैं, जैसा कि आप जानते हैं, नाओमी का परिवार काफी अमीर परिवार था, लेकिन वह मोआब से गरीबी में वापस आती है क्योंकि उसने अपने पति को खो दिया है, उसने अपने दो बेटों को खो दिया है और वह रूथ को अपने साथ वापस ला रही है।

उस समय, एक अनाम रिश्तेदार और बोअज़ वहाँ आते हैं, दोनों ही उस संपत्ति को खरीदने के लिए तैयार हो जाते हैं। और मूल रूप से, वह इसे रखने का जोखिम नहीं उठा सकती, लेकिन यह अभी भी परिवार के पास है। परिवार के कुछ सदस्य हैं जो इसे खरीद सकते हैं।

तो, यह इसे पारिवारिक ढांचे के भीतर ही रखना है। लेकिन मैं आपके लिए यही सबसे अच्छा कर सकता हूँ। असल में, मैं इसके बारे में ज़्यादा नहीं जानता।

अच्छे सवाल। अब तक तो सब ठीक है? ठीक है, देखिए हमें यहाँ क्या मिला। सब्त के बारे में यीशु ने क्या कहा? यहाँ हम सबसे पहले उसके विरोधियों को ध्यान में रखना चाहते हैं।

और अब आप सभी के पास नया नियम है, इसलिए आप जानते हैं कि सब्त के दिन को तोड़ने के मुद्दे पर यीशु का फरीसियों के साथ एक निरंतर, कठिन रिश्ता था। यही वह बात है जिसका वे उस पर आरोप लगा रहे थे। और मैं जानता हूँ कि फरीसी, जैसा कि वह कहते हैं, पाखंडी हैं, और वे हमारे जैसे ही हैं और वे सभी चीजें हैं।

लेकिन हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे इस बारे में इतने चिंतित क्यों थे। तो चलिए मैं आपको हमारी चर्चा में 10 मिनट पीछे ले चलता हूँ। फरीसी, अपनी सभी खामियों और कमियों के बावजूद, वे लोग थे जो टोरा को बनाए रखने के लिए वास्तव में चिंतित थे।

हमें इसे ध्यान में रखना चाहिए। और आपने शायद यह कहावत सुनी होगी: यीशु ने मूल रूप से फरीसियों के साथ एक ही सिद्धांत की पुष्टि की, ठीक है? तो, यह उनका पाखंड है जो समस्या है। यह उनका सिद्धांत नहीं है।

किसी भी हालत में, वे टोरा को बनाए रखने के बारे में बहुत चिंतित हैं। और अगर वे जानते हैं, और वे करते हैं, कि अगर आप सब्बाथ को तोड़ते हैं, तो मृत्यु दंड आएगा। और फिर भी, अगर टोरा इस बारे में बहुत स्पष्ट नहीं है कि सब्बाथ को तोड़ना क्या माना जाता है, तो आप इसके बारे में जानते हैं, है न? यह वास्तव में स्पष्ट नहीं है कि, मेरा मतलब है, उन्हें आग नहीं जलानी चाहिए, और उन्हें लकड़ियाँ नहीं इकट्ठी करनी चाहिए।

हमें दो घटनाओं से यह पता चला है। लेकिन सब्त तोड़ने का क्या मतलब है? और बेशक, क्योंकि इसे परिभाषित नहीं किया गया है, इसलिए उन्होंने सब्त तोड़ने को परिभाषित करने के लिए बहुत प्रयास किए। और मिशना में, मिशना 220 ईस्वी तक लिखा नहीं गया था, लेकिन यह कुछ लंबी मौखिक परंपरा को आगे बढ़ा रहा है।

मिशना में, यह 39 श्रेणियों के काम की सूची देता है। अब, कभी-कभी जब आप देखते हैं, क्षमा करें, देखें, जब आप चर्च में उपदेश सुनते हैं कि, ओह, उनके पास काम की 39 श्रेणियाँ थीं, और लोग इसे तुच्छ समझते हैं, तो यह उन लोगों के लिए वास्तव में उचित नहीं है जो सब्त के दिन को बनाए रखने के इस विचार की रक्षा करने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। अब, माना कि वे फिर से पाखंडी और कानूनी हैं, लेकिन हमें यह समझने की ज़रूरत है कि क्या हो रहा है और जब यीशु सब्त के दिन चंगाई करते हैं तो वे इतने क्रोधित क्यों होते हैं।

मैं अंशों को पढ़ने नहीं जा रहा हूँ, लेकिन मार्क 2 के अंत और मार्क 3 की शुरुआत को देखें, जहाँ हम इस पर काम करते हैं। सबसे पहले, यीशु के शिष्य अनाज इकट्ठा कर रहे हैं, उसे थ्रेसिंग कर रहे हैं, जैसा कि आप जानते हैं, इसे अपने हाथों के बीच रगड़ रहे हैं, और इसे थ्रेसिंग कहा जाता है। और इसलिए, फरीसी इस बात से थोड़ा परेशान हैं, और यीशु उन्हें दाऊद के एक दृष्टांत के साथ जवाब देते हैं।

हम दाऊद की घटना पर एक-दो महीने में चर्चा करेंगे। लेकिन किसी भी तरह, उस संदर्भ में, आपके पास वह घटना है, और उसके ठीक बाद, मार्क 3 की शुरुआत में, यीशु ने सब्त के दिन चंगा किया। और उन दो घटनाओं के साथ जो मार्क में इस तरह से संक्षिप्त हैं, हमारे पास यीशु की बहुत महत्वपूर्ण शिक्षाएँ हैं।

सबसे पहले, सब्त हमारे लिए बनाया गया है। सब्त मानव जाति के लिए बनाया गया है। हम सब्त के गुलाम बनकर बंधे रहने के लिए नहीं बनाए गए हैं। यह मुद्दा नहीं है।

लेकिन सब्त परमेश्वर का उपहार था। निर्गमन 16 पर वापस जाएँ। जो लोग वास्तव में, वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं, उनके लिए सब्त एक खुशी है क्योंकि उन्हें उस थकाऊ काम, काम की चिंता, उस मजबूरी से एक दिन की छुट्टी मिलती है कि आपको यह, यह, यह और यह करना है, या फिर, ठीक है? सब्त का दिन इन सबसे दूर होने के लिए है।

उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि यीशु कहते हैं, मनुष्य का पुत्र सब्त का प्रभु है। दूसरे शब्दों में, सात में से एक दिन, जब भी आप इसे लेते हैं, है न? जब भी आप इसे लेते हैं, सात में से एक दिन, यीशु को उस दिन का प्रभु माना जाता है। न मैं, न मेरी इच्छाएँ, न मेरे कामों की सूची, न वह पेपर जो परीक्षा नहीं है।

उस समय यीशु सब्त के प्रभु हैं। लेकिन फिर, बेशक, इसका महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि यीशु सब्त के दिन चंगा करते हैं क्योंकि आप सब्त के दिन अच्छा करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि एक रब्बीनिक है, हाँ, एक रब्बी है, शिमोन बेन मेनाशे उसका नाम है, जो बिल्कुल वही बात कहता है जो यीशु कहते हैं।

उन्होंने कहा कि सब्त के दिन भलाई करना वैध है। चंगा करना वैध है। इसलिए, मानव जीवन को संरक्षित करने और मानव जीवन की देखभाल करने तथा मानव जीवन को सम्मान और पुनर्स्थापना देने के मामले में कुछ प्राथमिकताएँ हैं जो सब्त की सीमाओं से परे हैं।

यही तो यीशु का कहना है। अच्छा, आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? आप इस बारे में क्या सोचते हैं? हम एक नई वाचा में हैं। क्या ये सब बातें अतीत की बात हैं? क्या हम यीशु की इस तरह से पुनर्व्याख्या करते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, उसने ऐसा नहीं कहा, और सब्त का पालन करें।

तो, हमें इसके साथ क्या करना चाहिए? और वैसे, मुझे पता है कि यहाँ मतभेद हैं और कुछ वैध मतभेद हैं। इसलिए मैं आपको अपने विचार बताने जा रहा हूँ और आप चाहें तो मुझसे बहस कर सकते हैं या अलग तरीके से सोच सकते हैं। लेकिन बस एक याद दिलाना है, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

अगर यह दस आज्ञाओं में से एक है, तो यह काफी महत्वपूर्ण है, मेरा सुझाव है। और यह निश्चित रूप से, सृष्टि-मोचन के पूरे विचार पर आधारित है, जो काफी महत्वपूर्ण धार्मिक मुद्दे हैं जो मैं कहूँगा कि सिनाई वाचा से परे हैं, भले ही यह सिनाई वाचा का संकेत है। सृष्टि, मोचन, और दिलचस्प बात यह है कि इब्रानियों के चौथे अध्याय में, इब्रानियों के लेखक ने हमें सब्त के विश्राम में प्रवेश करने का आदेश दिया है।

वह सब्बाथ के पूरे विचार को बहुत ही महत्वपूर्ण चीज़ के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। और इसलिए यह कुछ ऐसा हो सकता है जिसके बारे में हम भी सोचना चाहें, इस पूरी तस्वीर को एक साथ रखने के संदर्भ में। तो, आप इस पर जो चाहें ले सकते हैं, लेकिन मैं बस निम्नलिखित सुझाव देना चाहूँगा जो मेरे पास है।

हालाँकि, अगर आप ऐसा करना चाहते हैं, तो मैं आपको सात दिनों में से एक दिन निकालने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। यह आपके लिए ईश्वर का उपहार है। यह आपके लिए ईश्वर का उपहार है।

और फिर आप मनुष्य के पुत्र को सब्त के दिन का प्रभु बनाकर वापस देते हैं। ऐसा कहने के बाद, कुलुस्सियों 2:16 अत्यंत महत्वपूर्ण है। क्या कोई जानता है कि इसमें क्या लिखा है? पॉल बोल रहा है।

सब्त, अमावस्या या त्यौहारों के संबंध में किसी को भी आपको जज न करने दें। और वह कानूनवाद की उस भयावहता से बचने की कोशिश कर रहा है क्योंकि कानूनवाद आमतौर पर किसी चीज़ को देखने और किसी को देखने और यह कहने का मामला है कि, ठीक है, वे गलत हैं क्योंकि वे चीज़ों की इस सूची को नहीं कर रहे हैं या वे चीज़ों की इस सूची को कर रहे हैं और उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। ठीक है, तो यहाँ एक बहुत ही नाजुक संतुलन है।

और मैं सब्बाथ को एक सकारात्मक चीज़ के रूप में देखना पसंद करता हूँ। आप में से जिनके यहूदी दोस्त हैं जो रूढ़िवादी यहूदी हैं, अरे, आपने चुना हुआ पढ़ा होगा। चुने हुए में, हमें सब्बाथ के आनंद की एक तस्वीर मिलती है।

जैसे ही आप उस पूरे दिन को लाते हैं, यह रोशनी के साथ होता है। और जब आप सब्त के अंत में आते हैं, तो यह शोक का समय होता है क्योंकि आपने एक ऐसा दिन समाप्त कर दिया है जो अभी-अभी ईश्वर के साथ उपस्थिति का दिन था। और आप एक नए सप्ताह में प्रवेश कर रहे हैं और आप उस दिन से तरोताजा हो रहे हैं, लेकिन वास्तव में सब्त के अंत में उनके पास थोड़ा सा समय होता है जो थोड़ा सा शोक का समय होता है।

तो, इसे ध्यान में रखें। मैं आपको किसी न किसी तरह से सब्बाथ का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। फिर से, यह बिल्कुल भी कानूनी नहीं है।

मुझे आपको एक छोटी सी कहानी बतानी है। जब मेरे पति ग्रेजुएट स्कूल गए, तब वे ईसाई बन गए थे, उसके बाद नहीं। और उन्होंने ग्रेजुएट स्कूल में संघर्ष किया।

वह आपको यह बताने वाला पहला व्यक्ति होगा। उसका पहला साल बहुत ही भयानक था, और उसे लगभग बाहर निकाल दिया गया था। लेकिन उसी साल के दौरान, वह आस्तिक बन गया था।

और उसके पादरी ने कहा, मैं चाहता हूँ कि तुम कोशिश करो और प्रयोग करो क्योंकि वह वास्तव में सप्ताह में सातों दिन, दिन में 18 घंटे काम करता था, और यह जीवन कठिन था। और पादरी ने कहा कि मैं चाहता हूँ कि तुम कोशिश करो और प्रयोग करो। मैं चाहता हूँ कि तुम रविवार को छुट्टी लो, जो कि हम सभी के बाहर जाने पर विरोधाभासी लग रहा था।

लेकिन पेरी ने उसे स्वीकार कर लिया। तो, पहले, आप जानते हैं, सप्ताह के छह दिन कड़ी मेहनत वाले थे, और लगातार कड़ी मेहनत वाले। लेकिन सातवाँ दिन बहुत खुशी वाला था।

और इसलिए, उन्होंने ऐसा करना जारी रखा है। और भगवान का शुक्र है, उन्होंने मुझे भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। मैं उसी चर्च के संदर्भ में मसीह के पास आया।

इसलिए, मैं इसके लिए बहुत आभारी हूँ। आप इसे जिस तरह से करना चाहते हैं, मैं इसे आप पर छोड़ता हूँ। हमें त्योहारों के संदर्भ में बात जारी रखनी चाहिए क्योंकि हमारे पास त्योहारों और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के बारे में बात करने के लिए केवल 20 मिनट हैं।

जैसा कि हम त्योहारों के बारे में सोचते हैं, मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ एक बात को एक साथ रखने की कोशिश करें कि कैसे ये त्योहार हमारे ईसाई क्षेत्रों में मनाए जाने वाले उत्सवों के पुराने नियम के समकक्ष हैं, ठीक है? तो, देखें कि क्या आप समकक्षों के साथ आ सकते हैं। सबसे पहले, कुछ उद्देश्य। त्योहारों को पूजा के समय के रूप में डिज़ाइन किया गया था।

माना कि अन्य उपासना समय भी थे, लेकिन ये विशेष उपासना समय थे। हम उनमें से प्रत्येक के बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे और उन्हें थोड़ा सा रेखांकित करने का प्रयास करेंगे। यही कारण है कि मन में बलिदान की भावना रखना इतना महत्वपूर्ण है।

निर्गमन 23 में, जहाँ हमारे पास संभवतः त्योहारों की सबसे संक्षिप्त सूची है, और हम उन्हें थोड़ी देर में देखेंगे, सबसे संक्षिप्त सूची अभी भी कहती है, क्या कोई खाली हाथ नहीं आता, ठीक है? आप खाली हाथ भगवान की उपस्थिति में नहीं आए। आप पूजा करने के लिए त्योहारों में आए, और इसका मतलब था कि आप कुछ लेकर आए, और इसीलिए हमने बलिदान की पूरी कीमत के बारे में बात की। दूसरा और तीसरा, चूँकि मैंने उन्हें वहाँ रखा है, मुझे यह दूसरा विशेष रूप से पसंद है।

ये शैक्षिक उपकरण के रूप में काम करने वाले थे, ठीक है? अनुस्मारक। तीन प्रमुख तीर्थयात्री त्योहारों में से प्रत्येक, जिन्हें हम एक पल में सूचीबद्ध करने जा रहे हैं, तीन प्रमुख तीर्थयात्री त्योहारों में से प्रत्येक किसी न किसी तरह से मिस्र से अपने लोगों के भगवान के शक्तिशाली उद्धार की याद दिलाता है। अब, इसे कहने के विभिन्न तरीके हैं, और आपको इसे खोजने के लिए व्यवस्थाविवरण और लैव्यव्यवस्था और निर्गमन के माध्यम से छांटना होगा, लेकिन उनमें से प्रत्येक किसी न किसी तरह से इस बात की याद दिलाता है कि मिस्र से उन्हें बाहर लाने के संदर्भ में भगवान ने उनके लिए क्या किया था।

तो, इसे ध्यान में रखें। कुछ मामलों में, वे बूथ बना रहे थे। अन्य मामलों में, वे खमीर से छुटकारा पा रहे थे और फसल के मेमने को मार रहे थे, है ना? लेकिन ये सब याद दिलाने के लिए थे।

आप में से जो लोग ऐसे चर्चों में पले-बढ़े हैं जो वास्तव में त्योहार मनाते हैं, उन्हें इस बात का कुछ अंदाजा होगा। यह मेरी कहानी का दिन है, ठीक है? तो, मैं आपको एक और कहानी बताने जा रहा हूँ। मेरे माता-पिता कम से कम तीन चर्चों से होकर गुज़रे, जिन्हें मैं बचपन से याद कर सकता हूँ।

हो सकता है कि और भी रहे हों, लेकिन मुझे उनमें से तीन याद हैं: पहले मेथोडिस्ट, फिर लूथरन और अंत में प्रेस्बिटेरियन। लूथरन चर्च में हमारे दिन, खैर, लूथरन चर्च में हमारे साल शायद लगभग छह या सात साल थे, और मैं उस समय एक छोटा बच्चा था।

लेकिन यहाँ मेरी स्मृति है। लूथरन चर्च के बारे में किसी भी चीज़ से ज़्यादा, और यह एक बहुत ही उच्च चर्च प्रकार की चीज़ थी, इसलिए सामने यीशु की एक मूर्ति और पूरी चीज़। बहुत ही धार्मिक अनुष्ठान।

लेकिन हर मौँडी गुरुवार को, यीशु की उस मूर्ति के साथ उन्होंने क्या किया? आपमें से जो लोग लूथरन या रोमन कैथोलिक पृष्ठभूमि से हैं, उन्होंने यीशु की मूर्ति के साथ क्या किया? कोई जानता है? जैक? उन्होंने इसे ढक दिया। हाँ, इस पर एक बैंगनी पर्दा डाल दिया गया था। और फिर जाहिर है गुड फ्राइडे, और त्रासदी, और भयावहता, और यीशु की मृत्यु का दुख।

लेकिन रविवार की सुबह क्या होता है? और इस समय खुद को एक पाँच साल के छोटे बच्चे की स्थिति में रखें। रविवार की सुबह की सेवा के लिए, तुरही बजती है, और कोई व्यक्ति यीशु के उस परदे को हटा देता है। मुझे अभी भी वह याद है, और मैं आपको बता दूँ, आज भी, अभी भी, जब मैं इसके निहितार्थों के बारे में सोचता हूँ तो मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन होती है।

मृत्यु के उस भयावह अनुभव के बाद पुनरुत्थान को जीया जाता है या नहीं जीया जाता। इसे लूथरन चर्च की धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार प्रस्तुत किया जाता है। और इसलिए, बच्चों को जो कुछ भी सिखाया जाता है, उसमें बहुत सारी खूबसूरती और शिक्षा निहित होती है।

यह एक त्रासदी है कि हमारे बहुत से चर्च ऐसी धार्मिक क्रियाकलापों में शामिल नहीं हैं जो अच्छी शिक्षा देते हैं। अब, हो सकता है कि कुछ चर्च ऐसे हों जो तमाशा करते हों और कौन जानता है कि क्या-क्या करते हों, लेकिन कुछ अच्छी शिक्षा सामग्री भी है। किसी भी दर पर, उद्देश्यों के संदर्भ में तीसरी बात, उन्हें प्रभु के सामने उपस्थित होना था, अवधि, ठीक है? और जब परमेश्वर ने कहा कि ऐसा करो, और उन्होंने ऐसा किया, तो वे प्रभु के आज्ञाकारी थे।

इसीलिए आपके पास ये तीन प्रमुख तीर्थयात्री त्यौहार हैं। आइए निर्गमन 23 पर नज़र डालें। फिर से, यह त्यौहारों के बारे में हमारी सबसे छोटी घोषणा है कि वे क्या थे।

व्यवस्थाविवरण 16 में बहुत लंबे समय तक चलने वाले नियम हैं। साल में तीन बार तुम्हें मेरे लिए एक त्यौहार मनाना है, और फिर यह उनका वर्णन करता है, ठीक है? जैसा मैंने तुम्हें आदेश दिया है वैसा ही करो। श्लोक 17, साल में तीन बार, सभी लोगों को प्रभु के सामने उपस्थित होना है।

बस इसमें कोई सवाल ही नहीं है। उन्हें यह करना ही है। ठीक है, चलिए देखते हैं कि हमारे यहाँ कौन-कौन से लोग हैं।

ये बहुत महत्वपूर्ण होंगे। देखिए कितनी बार इनके बारे में बात की गई है। फिर से, निर्गमन 23 उनका हमारा सबसे छोटा संस्करण है।

व्यवस्थाविवरण 16 में इनके बारे में विस्तार से बताया गया है। साथ ही, लैव्यव्यवस्था 23 और संख्या 28-29 में इन तीन पहले त्योहारों के अलावा कई अन्य त्योहार शामिल हैं। ये तीर्थयात्री त्योहार हैं क्योंकि ये वे त्योहार हैं जिनमें उन्हें खुद को लेकर यरूशलेम जाना था।

व्यवस्थाविवरण 16 में, प्रभु कहते हैं, उस स्थान पर जाओ जिसे मैं चुनूँगा, जो यरूशलेम होगा, और वहाँ तुम मेरी आराधना करोगे। इसलिए यरूशलेम इन तीर्थयात्रियों का उद्देश्य, लक्ष्य है जब वे त्योहारों पर जाते हैं। इसलिए, उन्हें तीर्थयात्रियों के त्योहारों के रूप में सोचें।

सबसे पहले, हमें फसह के पर्व पर साथ लाएँ। और आपको याद होगा जब हमने निर्गमन अध्याय 12 के बारे में बात की थी, हमने उस रात मिस्र में फसह के उत्सव के बारे में बात की थी, और फिर यह भी कि इसमें आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे कैसे मनाया जाए, इस बारे में बात की गई थी। तो अब हम आने वाली पीढ़ियों के बारे में बात कर रहे हैं, और फसह अखमीरी रोटी से जुड़ा हुआ है।

और, बेशक, यहाँ मुख्य बात सिर्फ फसह के मेमने का खून नहीं है; यह दूसरे स्थान पर आता है, दूसरे स्थान पर नहीं, लेकिन यह अब शुद्धिकरण के पूरे सात दिनों जितना महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि खमीर से छुटकारा पाना, जैसा कि हमने पहले कहा था जब हम इस बारे में बात कर रहे थे, इसका मतलब है पाप से छुटकारा पाना। खमीर पाप का प्रतीक बन गया है।

पहला कुरिन्थियों 5, फिर से, मुझे पता है कि मैंने पहले भी इसका उल्लेख किया है, लेकिन जब पॉल कहता है, मसीह, तुम्हारा फसह मेमना बलि किया गया है, इसलिए अपने भीतर के खमीर को निकाल दो, और वह उस पाप का उल्लेख कर रहा है जो उस समय कुरिन्थियों के चर्च में था। तो फसह अखमीरी रोटी, एक बहुत ही महत्वपूर्ण त्योहार, वसंत ऋतु में मनाया जाता है। हमारे लिए इसका समकक्ष क्या है? हाँ, यह ईस्टर है, बेशक।

कभी-कभी यह फसह के साथ काफी करीबी कैलेंडर संयोजन में होता है, लेकिन हमेशा नहीं। अब, भगवान की दया में, वह उन लोगों के लिए एक अवसर प्रदान करता है जो पहले महीने में फसह का जश्न मनाने में सक्षम नहीं हैं, अवीव या निसान के महीने में, वह उन्हें ऐसा करने का अवसर प्रदान करता है। संख्या अध्याय नौ में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति धार्मिक रूप से अशुद्ध है, तो वे किसी मृत शरीर के संपर्क में आए हैं, या यदि वे यात्रा पर गए हैं, तो उनके लिए फसह मनाने का यह एक अवसर है।

यह हमें दिखाता है कि फसह कितना महत्वपूर्ण था। और फिर, यह उनके छुटकारे का उत्सव है। आप देख सकते हैं कि वे इसे क्यों मनाना चाहते थे।

यह उत्सव राजा हिजकिय्याह और राजा योशियाह द्वारा अपने गिरे हुए राज्यों में सुधार लाने के बाद मनाया जाएगा, आप जानते हैं कि जब सुधार होता है, तो वे फसह का उत्सव मनाने जा रहे हैं क्योंकि अब एक मुक्ति, एक पुनर्स्थापना, एक पुनरुद्धार हुआ है, आप इसे जो भी नाम देना चाहें। ठीक है, तो फसह की अखमीरी रोटी। दूसरा, वैसे, इन दोनों नामों को लें, क्योंकि निर्गमन इसे एक नाम से पुकारने जा रहा है, और व्यवस्थाविवरण इसे दूसरा नाम देने जा रहा है।

सप्ताहों का पर्व। मैंने इसे सप्ताह नाम इसलिए दिया है क्योंकि यह यहूदी इतिहास में एक तरह से जारी रहा है। आप में से जो लोग इज़राइल जाते हैं, अगर आप जून या मई के अंत में जाते हैं, तो आप शावोत के बारे में सब कुछ सुनेंगे।

शवोत सप्ताहों के लिए हिब्रू शब्द है, और वे सप्ताहों का यह पर्व मना रहे हैं। अब, बेशक, इसे पेंटेकोस्ट भी कहा जाता है क्योंकि यह फसह के समय के 50 दिन बाद आता है। और पेंटेकोस्ट में हमारे संदर्भ में घटनाओं के उल्लेखनीय चित्रण हैं क्योंकि यह प्रेरितों के काम अध्याय 2 में है। और अब, फिर से, आपने नए नियम का अध्ययन किया है, आप यह जानते हैं।

ये सभी लोग यरूशलेम में इकट्ठे हुए हैं। वे वहाँ क्यों हैं? वे पिन्तेकुस्त के लिए वहाँ हैं। वे वहाँ इसलिए हैं क्योंकि पूरे रोमन जगत से, आपके पास वफादार तीर्थयात्री हैं।

आपके पास ऐसे तीर्थयात्री हैं जो प्रभु की आज्ञा का पालन कर रहे हैं और उस तीर्थयात्रा उत्सव के हिस्से के रूप में यरूशलेम आ रहे हैं। यही कारण है कि प्रेरितों के काम के लेखक के रूप में ल्यूक ने इन सभी लोगों की सूची बनाई है। मुझे लगता है कि वे जिस स्थान से आए हैं, उससे 15 या 16 अलग-अलग स्थानों पर आए हैं।

वे सभी अरामी भाषा नहीं बोलते, फिर भी प्रेरितों को उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के अनुसार भाषाएँ बोलने का उपहार दिया गया है ताकि वे खुशखबरी सुन सकें। इसलिए पिन्तेकुस्त भी बहुत महत्वपूर्ण है।

यहूदी धर्म में परंपरागत रूप से इस त्यौहार पर टोरा दिया जाता है। और जब आप रुककर इसके बारे में सोचते हैं तो यह काफी दिलचस्प लगता है। और यह समझ में आता है क्योंकि टोरा मिस्र छोड़ने के तीन महीने बाद दिया जाता है।

वे अप्रैल में निसान में मिस्र से निकलते हैं। तीन महीने बाद हम सीधे शावूत में पहुँचते हैं। और आपको टोरा दिया जाता है।

और क्या यह दिलचस्प नहीं है कि टोरा को सिनाई पर्वत पर आग के साथ दिया गया है? और पवित्र आत्मा यरूशलेम में आग की जीभों के साथ उतरता है। और प्रभु का वचन आगे बढ़ता है।

मेरा मतलब है, वहाँ कुछ दिलचस्प समानताएँ हैं। ठीक है, और फिर अंत में हमारे पास टैबरनेकल्स है। यह वह नाम है जो बच गया है।

इसे इकट्ठा करना भी कहते हैं। अगर आप निर्गमन की पुस्तक पढ़ेंगे तो अध्याय 23 की 16वीं आयत में इसे इकट्ठा करना कहा गया है। लेकिन अब यहूदी धर्म में इसे सुकोट कहते हैं।

सुक्कोत। सुक्का एक तम्बू है, एक बूथ, माफ़ करें। और इसलिए, इसे तम्बूओं का पर्व, सुक्कोत का पर्व कहा जाता है।

इसमें कुछ दिलचस्प न्यू टेस्टामेंट अर्थ भी हैं। क्या आप जानते हैं कि न्यू टेस्टामेंट के संदर्भ में वे कहाँ जुड़ते हैं? अगर मैं रूपांतरण का उल्लेख करता हूँ, तो क्या होता है? पीटर इस पहाड़ पर है, पीटर ऊपर है, यीशु ऊपर है, ठीक है, पीटर भी वहाँ है, है न? यीशु पहाड़ पर है। पीटर, जेम्स और जॉन उसके साथ हैं।

किसी तरह से शरीर का परदा अब नहीं रहा। और पतरस, याकूब और यूहन्ना यीशु की महिमा को प्रकट होते देखते हैं। और पतरस क्या कहता है? चलो हम अपने लिए कुछ बूथ बनाते हैं।

यह संभवतः तम्बूओं के समय के करीब हुआ था। और वैसे, तम्बूओं को मसीहाई निहितार्थों के साथ जोड़ा गया। और इसलिए, पतरस के दिमाग में ये सारी बातें उबल रही हैं कि वह आगे क्या होते देखना चाहता है।

खासकर तब जब मत्ती के अध्याय 16 में, जो अध्याय 17 से ठीक पहले है, जहाँ रूपांतरण घटित होता है। अध्याय 16 में, पतरस ने अभी-अभी कबूल किया है, आप मसीह हैं, जीवित परमेश्वर के पुत्र हैं। और भले ही उसे थोड़ी-बहुत फटकार सहनी पड़ी हो, वास्तव में, यह एक बहुत बड़ी फटकार है। शैतान, मेरे पीछे हट जा, जब वह यह कहने की कोशिश करे कि तुम मरने वाले नहीं हो, वगैरह।

फिर भी, यीशु ने उससे कहा, तुमने यह इसलिए कहा क्योंकि परमेश्वर ने तुम्हें यह बताया है। और इसलिए आप कल्पना कर सकते हैं कि उस पहाड़ पर अगली घटना ने रूपांतरित कर दिया, क्यों वे सभी चीजें अभी भी सतह पर आ गईं और उसने कहा, वाह, चलो कुछ बूथ बनाते हैं। यह एक उल्लेखनीय घटना है।

चलो इसे संरक्षित करें। ठीक है, मैं इस मामले में बहुत भटक गया हूँ। ये तीन प्रमुख त्यौहार हैं।

तीर्थयात्रियों के त्यौहार, उन्हें लाइन में रखें। दो अन्य अतिरिक्त प्रमुख त्यौहार। हम तुरही के बारे में बहुत कुछ नहीं जानते।

हम वास्तव में नहीं जानते। पाठ में इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कहा गया है। यह आमतौर पर सितंबर, अक्टूबर में होता है, जिसे हम अब सितंबर, अक्टूबर के रूप में सोचते हैं।

और इसे हम रोश हशनाह कहते हैं, या आपमें से जो न्यूयॉर्क से हैं, उनके लिए रोश हशनाह, है न? यहाँ उच्चारण में अंतर है। लेकिन रोश हशनाह, साल का मुखिया। लेकिन फिर भी, इसके बारे में ज़्यादा कुछ नहीं कहा जाता।

यहूदी धर्म में परंपरागत रूप से, यह दुनिया के निर्माण का स्मरण करता है, लेकिन यह पारंपरिक है। दूसरा, इसके विपरीत, प्रमुख त्यौहारों में से दूसरा है, और नहीं, प्रमुख त्यौहारों में से पाँचवाँ है। किसी भी दर पर, यह प्रायश्चित्त का दिन है।

और यहाँ हम बस थोड़ा और समय बिताना चाहते हैं। पिछली बार हमने लैव्यव्यवस्था 10 में उस भयानक घटना के बारे में बात की थी, जहाँ नादाब और अबीहू अनधिकृत आग के साथ परम

पवित्र स्थान में घुस गए थे। और बेशक, वे भस्म हो गए क्योंकि उन्होंने उस सबसे पवित्र स्थान का उल्लंघन किया था।

लैव्यव्यवस्था 16 में इस बात का जिक्र करते हुए कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति वर्ष में एक बार के अलावा उस पवित्र स्थान में नहीं जाएगा, और केवल महायाजक ही ऐसा करेगा। और फिर, यह आगे बढ़ता है और बताता है कि उस दिन क्या होता है, प्रायश्चित का दिन, जब महायाजक को सबसे पवित्र, पवित्र स्थान में प्रवेश करना होता है। और यहाँ कुछ ऐसी बातें हैं जो वास्तव में प्रायश्चित के दिन के बारे में कही गई हैं।

और फिर, हम इस पर थोड़ा और विस्तार से चर्चा कर रहे हैं क्योंकि इसमें कुछ प्रकार का भ्रम हो सकता है जब यूहन्ना 1, श्लोक 29 कहता है, देखो परमेश्वर का मेम्रा जो जगत का पाप उठा ले जाता है। आप जानते हैं, इनमें से एक बकरी जगत का पाप उठा ले जा रही है। हो सकता है कि इसमें कोई भ्रम हो, पूरा नहीं, लेकिन हो सकता है।

किसी भी मामले में, दिलचस्प बात यह है कि अगर आप हिब्रू पढ़ते हैं, तो यह प्रायश्चित का दिन नहीं है। यह प्रायश्चित का दिन है। और यह बहुवचन है। पाठ में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इन प्रायश्चितों की आवश्यकता उन सभी चीजों के लिए है जो इस पवित्र स्थान का अभिन्न अंग हैं क्योंकि वे प्रदूषित हो गए हैं।

आपने देखा है कि दिन-ब-दिन उन पर खून बहाया जा रहा है और यह सब प्रतीकात्मक रूप से पाप का बोझ और बोझ है। अब वे महायाजक, पवित्रस्थान और लोगों के लिए प्रायश्चित करने जा रहे हैं। वहाँ अपराध शब्द का प्रयोग किया गया है।

यह एक हिब्रू शब्द है जो बहुत दिलचस्प है। मैंने अभी आपको बताया है कि इसका क्या मतलब है। इसका मतलब है जानबूझकर किया गया विद्रोह।

यह समय उससे निपटने का भी है। आप में से कुछ लोग जानते हैं कि अगर आपने डॉ. विल्सन से कुछ सीखा है, या अगर आपने उनकी किताब पढ़ी है, या आपने उनकी बातें सुनी हैं, तो आप उनकी बातें सुनने और उनसे कई तरह की बातें सीखने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। आप मूल रूप से डॉ. विल्सन को आत्मसात कर लेते हैं।

लेकिन मुद्दा यह है कि नए साल के प्रमुख रोश हशनाह और प्रायश्चित के दिन के बीच 10 दिन होते हैं। और उस समय के दौरान, सभी यहूदी बहुत सावधानी से अपने पापों को छांटते हैं और उन्हें स्वीकार करते हैं और प्रायश्चित करते हैं क्योंकि यह न्याय का समय है।

पारंपरिक यहूदी धर्म में, यह न्याय की अवधि है। और इसलिए, प्रायश्चित का दिन आज भी यहूदी धर्म और आज के यहूदियों के लिए बहुत ही गहरा, गहरा अर्थ रखता है। खैर, तम्बू मंदिर अर्थव्यवस्था के तहत, दो बकरियाँ भी वहाँ थीं।

और ये योम किप्पुर के दिलचस्प पहलू हैं। किसी भी हालत में, दो बकरियाँ लाई गईं।

एक ओर, बकरा प्रभु के लिए है। उसे बलि किया जाता है। उसका खून सबसे पवित्र स्थान पर छिड़का जाता है। दूसरे बकरे को अज़ाज़ेल का बकरा कहा जाता है।

अब, अज़ाज़ेल कौन या क्या है? यह वह बकरी है, जिसे बलि का बकरा नाम दिया गया है। क्या आप अंग्रेजी शब्द बलि का बकरा जानते हैं? हम सभी इसे जानते हैं। हम इस व्यक्ति को बलि का बकरा बना रहे हैं या हम उस व्यक्ति को बलि का बकरा बना रहे हैं।

दरअसल, यह हिब्रू शब्द अज़ाज़ेल से अंग्रेजी में गलत तरीके से बना है। हिब्रू शब्द अज़ाज़ेल है। और कुछ लोगों ने कहा है कि अज़ का मतलब बकरी है और अज़ल का मतलब दूर जाना है।

इसका मतलब है कि वह बकरी जो चली जाती है या वह बकरी जो बच निकलती है। वह बकरी जो बच निकलती है। क्या आप बच निकलने वाली बकरी से बलि का बकरा शब्द सुन रहे हैं? अंग्रेजी शब्द की दिलचस्प व्युत्पत्ति।

संभवतः एक बेहतर व्याख्या, हालांकि बहुत से लोग इस बारे में बहस करते हैं, जोरदार ढंग से, व्याकरण की दृष्टि से, एक बकरा भगवान के लिए है, और दूसरा बकरा अज़ाज़ेल के लिए है। सदियों से, शुरुआती ईसाई व्याख्याकारों और यहूदी व्याख्याकारों ने, यीशु से भी पहले, कहा कि अज़ाज़ेल किसी तरह का मुख्य राक्षस था। इसलिए, लोगों के पापों से लदे उस बकरे को भेजते समय, याद रखें कि पुजारी ने बकरे पर लोगों के पापों को स्वीकार किया, और फिर उन्होंने इसे जंगल में भेज दिया।

ऐसा करने से, बकरी को प्रतीकात्मक रूप से लोगों के सभी पापों के बोझ से दबे हुए, पाप के स्रोत पर वापस भेजा जा रहा था। अब, हम इसके बारे में और भी बहुत कुछ कह सकते हैं, लेकिन सोचिए क्या? हमारे पास समय नहीं है। हमें बस कुछ और काम करने हैं और फिर हम हफ़्ते भर के लिए रुक जाएंगे।

प्रतिज्ञाएँ। मैं प्रतिज्ञाओं के बारे में दो बातें कहना चाहता हूँ। सबसे पहले, नाज़ीर की प्रतिज्ञा के बारे में जान लें, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

हम नाज़ीरियों को पूरे इतिहास में देखेंगे, न केवल पुराने नियम के इतिहास में, बल्कि जॉन बैपटिस्ट भी उस श्रेणी में आने वाले हैं। तो, गिनती अध्याय छह को देखें। इसका उद्देश्य प्रभु के लिए अलग होना था, कुछ ऐसा करने के लिए जो प्रभु चाहते थे कि आप करें।

यह एक नाज़ीर व्रत हो सकता है जिसमें पूरा जीवन शामिल होता है। यह एक अल्पकालिक व्रत भी हो सकता है। और बाल, लंबे बाल, यहाँ एक अंतर था।

आपको सैमसन का ख्याल आता है। उसे ऐसा करना चाहिए, ठीक है? उन्हें मृत वस्तुओं को भी नहीं छूना था। उन्हें अंगूर के फल नहीं खाने थे और अपने बाल भी नहीं कटवाने थे।

तो, नाज़ीर व्रत को ध्यान में रखें। व्रतों के बारे में मैं जो दूसरी बात कहना चाहता हूँ, वह यह है। जब आप गिनती अध्याय 30 पढ़ते हैं, तो हमें एक गहरा एहसास होता है कि हमने व्रतों को वाकई हल्का कर दिया है।

हमारे पास विवाह की शपथ है, मुझे लगता है कि मुझे अब वह व्यक्ति पसंद नहीं है। मुझे लगता है कि मैं बस उस शपथ को तोड़ दूँगा। इस सिनाई वाचा के तहत शपथ।

हम बहुत, बहुत शांत और बहुत दृढ़ हैं। अगर आपने कोई प्रतिज्ञा की है, तो आपने उसे निभाया है। आपने उसे निभाया है।

गिनती अध्याय 30 पढ़ें। एकमात्र अंतर यह था कि अगर कोई महिला कोई व्रत लेती है जिसे उसका पति या पिता मूर्खतापूर्ण व्रत समझता है तो वह उसे रद्द कर सकता है, लेकिन वह खुद ऐसा नहीं कर सकती।

हम पहले ही दशमांश के बारे में बात कर चुके हैं। और आप दशमांश के बारे में संख्याओं, क्षमा करें, संख्याओं, व्यवस्थाविवरण 14 पर एक त्वरित नज़र डाल सकते हैं। लेकिन मैं एक बात दोहराना चाहता हूँ जो मैंने दूसरे दिन कही थी।

और यह तीसरे वर्ष में विशिष्ट दशमांश है। दशमांश को प्रभु के सामने मनाया जाना था। आप जानते हैं कि इसमें क्या लिखा है।

अगर आप लंबी दूरी से आ रहे हैं, तो अपनी सारी संपत्ति वहीं छोड़ दें, पैसे लेकर आएँ, उसे प्रभु के पास ले जाएँ, जश्न मनाने के लिए सामान खरीदें, शराब, मजबूत पेय लें, और प्रभु की उपस्थिति में आकर जश्न मनाएं। दिलचस्प कथन। दशमांश का मतलब जश्न मनाना था।

लेकिन तीसरे साल में, दशमांश को एक कोष में योगदान देने के लिए भी डिज़ाइन किया गया था ताकि जिनके पास पैसे नहीं थे, विधवाओं, विदेशियों और अनाथों की देखभाल की जा सके और पुजारियों की भी देखभाल की जा सके। खैर, और फिर एक आखिरी, दो आखिरी बातें। मैंने बस इन पर एक नज़र डाली क्योंकि मुझे पता है कि इस बिंदु पर इसे छोड़ने का समय आ गया है।

लैव्यव्यवस्था 27 में प्रभु को कुछ देने, प्रभु को समर्पित करने की इस प्रक्रिया के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। और फिर आपको याद होगा, अब तक आप जान चुके होंगे कि छुटकारे का मतलब है वापस खरीदना। इस पर अच्छी तरह से नज़र डालें।

संख्या अध्याय 19 को ध्यान से देखिए, जो एक आकर्षक अनुष्ठान है। इसमें लाल बछिया के बारे में बताया गया है। लेकिन मैं अभी इसके बारे में और कुछ नहीं कहूँगा क्योंकि अब दीक्षांत समारोह में जाने का समय हो गया है।

मैं इसे यहीं छोड़ता हूँ। आपको शाबात शालोम। भगवान की इच्छा से, सोमवार को हमारा एक और समय सत्र है, और फिर बुधवार को परीक्षा होगी। बढ़िया।